सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 7 ● अंकः 275 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 12 नवम्बर, 2021

एक आम प्रश्न जो बिजनेस में पूछा जाता है, वो है- 'क्यों?' ये एक अच्छा प्रश्न है, लेकिन एक उतना ही जायज प्रश्न है, 'क्यों नहीं?'

-जेफ बेज़ोस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

फिदायीन हमले की साजिश रच... 7
यूपीः सियासी जमीन मजबूत करने... 3
भाजपा सरकार में बढ़ा अन्याय... 2

चुनाव से पहले फिर राम और हिंदुत्व पर सियासी जंग

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने जय श्रीराम का नारा लगाने वालों को बताया राक्षस, भाजपा आगबबूला

» भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया निचले दर्जे की राजनीति करने का आरोप

» कहा, जनता सब समझ रही है, चुनाव में देगी जवाब

» संभल में राशिद अल्वी ने दिया था विवादित बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के पहले एक बार फिर भगवान राम और हिंदुत्व पर सियासत गर्म हो गयी है। सलमान खुर्शीद द्वारा हिंदुत्व पर दिये विवादित विचार के बाद अब कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने जय श्रीराम का नारा लगाने वालों की तुलना राक्षस से की है। उनके इस बयान के बाद भाजपा भड़क गयी है और उसने पलटवार करते हुए कहा है कि जनता सब समझ रही है और चुनाव में इसका जवाब देगी।

संभल में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा था कि राम राज्य और जय श्रीराम का नारा लगाने वाले मुनि नहीं बल्कि रामायण काल के कालनेमि राक्षस हैं। उन्होंने भाजपा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि इस देश में जय श्रीराम का नारा लगाकर लोगों को जो लोग गुमराह करते हैं ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने रामायण का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब लक्ष्मण को तीर लगा तो रावण ने एक राक्षस को हनुमान का रास्ता रोकने के लिए भेज दिया। वह एक जगह बैठकर भगवान श्रीराम के नाम का गुणगान करने लगा। हनुमान जी भी वहां पर रुक गए, लेकिन जब उन्हें सच्चाई का पता चला तो उस राक्षस का वध कर दिया। अब भी कुछ लोग उस राक्षस की तरह ही भगवान श्रीराम का नाम जप रहे हैं। कुछ लोग धर्म पर यकीन नहीं करते हैं लेकिन धर्म की बात कहते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि देश में राम राज्य आ गया है लेकिन जहां तक मैं समझता हूं राम राज्य में नफरत की कोई जगह नहीं है। राशिद अल्वी के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। यूपी भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि ये लोग इसी तरीके की भाषा बोलते ही हैं। यह सतही दर्जे की सियासत कर रहे हैं। यह ठीक नहीं है। हम विकास के नाम पर आगे बढ़ रहे हैं।

"पूरा देश जानता है कि जो लोग श्रीराम के प्रति आस्था रखते हैं उनकी भावना कैसी है। उनके नाम पर इस तरह की राजनीति करना ठीक नहीं है। जनता सब समझती है और जवाब देगी। जय श्रीराम की शक्ति का पता पूरे देश को लग चुका है।

दिनेश शर्मा, डिप्टी सीएम, यूपी

सलमान खुर्शीद ने हिंदुत्व की तुलना की थी आतंकी संगठन से

राशिद अल्वी से पहले कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने अपनी नयी किताब सनराइज ओवर अयोध्याः नेशनहुड इन आवर टाइम्स में एक पूरा अध्याय हिंदुत्व की बढ़ती विचारधारा के ऊपर लिखा है। द सैफ्रान स्काई शीर्षक से लिखे इस अध्याय के पेज 113 पर उन्होंने हिंदुत्व की तुलना बोको हराम और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठनों से की है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

कोरोना ने बढ़ाई टेंशन, 24 घंटे में 500 से ज्यादा मौतें

» गुजरात में फिर बढ़ने लगे केस, त्यौहार में उमड़ी भीड़ से बढ़ा संक्रमण का खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से कोरोना महामारी से जूझ रहा है। हालांकि कोरोना के मामलों में कमी आई है, लेकिन पिछले 24 घंटों में पांच सौ से अधिक लोगों की कोरोना से हुई मौतों ने टेंशन बढ़ा दी है। वहीं गुजरात में भी केस बढ़ने लगे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 12,516 मामले सामने आए। वहीं महामारी की वजह से पिछले 24 घंटों में 501 लोगों की जान चली गई। गुजरात में कोरोना मामलों में फिर बढ़ोतरी देखी जा रही है। यहां एक दिन में गुजरात में 42 नए मामले दर्ज हुए हैं। त्यौहारों में उमड़ी भीड़ के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ गया है।

लखनऊ में जीका की दस्तक, हड़कंप

लखनऊ। कोरोना का खतरा खत्म नहीं हुआ है कि यूपी में एक और खतरा बढ़ गया है। कानपुर और कन्नौज के बाद अब जीका वायरस ने लखनऊ में दस्तक दे दी है। मेडिकल एंड हेल्थ के डायरेक्टर जनरल डॉक्टर वेद व्रत सिंह ने लखनऊ में जीका संक्रमण के दो मामलों की पुष्टि की है। लखनऊ में जीका वायरस का पहला संक्रमण हुसैनगंज के फूलबाग में एक शख्स में पाया गया है। वहीं, दूसरा मामला 24 साल की एक महिला के संक्रमित होने का है, जो कृष्णानगर की रहने वाली हैं।

लखीमपुर कांडः सरकार की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने टाली सुनवाई, अब 15 को बहस

» पिछली सुनवाई में कोर्ट ने सरकार को लगाई थी फटकार, स्टेटस रिपोर्ट पर जाहिर की थी नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लखीमपुर हिंसा मामले की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई टल गई। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने सुनवाई टालने का अनुरोध किया। यूपी सरकार ने कहा कि हम किसी चीज पर काम कर रहे है, यह लगभग पूरा हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की मांग को स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई 15 नवंबर तक टाल दी।

लखीमपुर मामले में मुख्य न्यायधीश एनवी रमन, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ सुनवाई कर रही है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से रिटायर जज से निगरानी के लिए सुझाव मांगा था। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि केस में दर्ज दोनों एफआईआर में किसी तरह का घाल-मेल नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों घटनाओं किसानों को गाड़ी से कुचलने और भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के गवाहों से अलग-अलग पूछताछ होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने बिना किसी का नाम लिए कहा था कि एक आरोपी को बचाने के लिए दूसरी एफआईआर में एक तरह से सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं।

सरकार बनी तो हर महीने मिलेगा 10 हजार मानदेय : प्रियंका गांधी

» कांग्रेस महासचिव ने आशा बहनों से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 40 फीसदी टिकट देने का ऐलान करने वाली कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक और बड़ी घोषणा की है। राजधानी लखनऊ के दौरे पर पहुंची प्रियंका गांधी ने अपने आवास पर शाहजहांपुर में पुलिस पिटाई का शिकार हुई आशा बहनों से मुलाकात कर उनके दुख-दर्द को सुना। बल्कि इस दौरान पीड़ित आशा बहनों को हर संभव कानूनी मदद का आश्वासन देते हुए यूपी में कांग्रेस की सरकार बनने पर आशा बहनों एवं आंगनबाड़ी कर्मियों को 10 हजार रुपए प्रतिमाह का मानदेय भी दिए जाने का ऐलान किया।

दरअसल, आशा बहनों को 2018 से अपना बकाया नहीं मिला है, जिसकी मांग को लेकर वे दो दिन पहले शाहजहांपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने जा रही थीं, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोककर उनकी बुरी तरह से पिटाई कर दी। इससे किसी का हाथ टूट गया, तो कोई गंभीर रूप से घायल हो गया। क्योंकि आशा बहनों की पिटाई में सिर्फ महिला ही नहीं, पुरुष पुलिसकर्मी भी शामिल थे। इतना ही नहीं, इस दौरान दोषी पुलिसकर्मियों पर तो कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन उल्टा आशा बहनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज करा दी गई है। इसके चलते प्रियंका गांधी ने आशा बहनों के साथ सहानुभूति जताते हुए उनके हक की लड़ाई में हर कदम पर साथ देने के साथ कानूनी लड़ाई में भी पूरी मदद किए जाने का भरोसा दिया है। प्रियंका गांधी ने इससे पहले ट्वीट किया कि यूपी सरकार द्वारा आशा बहनों पर किया गया एक-एक वार उनके द्वारा किए गए कार्यों का अपमान है। मेरी आशा बहनों ने कोरोना में और अन्य मौकों पर पूरी लगन से अपनी सेवाएं दीं। मानदेय उनका हक है। उनकी बात सुनना सरकार का कर्तव्य। आशा बहनें सम्मान की हकदार हैं और मैं इस लड़ाई में उनके साथ हूं।

महिलाओं के लिए कांग्रेस की बड़ी घोषणाएं

इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बताया था कि कांग्रेस ने महिलाओं के लिए एक अलग घोषणा पत्र तैयार किया है। प्रियंका गांधी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश की मेरी प्रिय बहनों, आपका हर दिन संघर्षों से भरा है. कांग्रेस पार्टी ने उसको समझते हुए आपके लिए अलग से एक महिला घोषणा पत्र तैयार किया है। कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर सालाना भरे हुए 3 सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। प्रदेश की सरकारी बसों में महिलाओं के लिए यात्रा मुफ्त होगी।

सलमान खुर्शीद की किताब पर विवाद

सनराइज ओवर अयोध्या में बोको हराम से हिंदुत्व की तुलना गलत : इंद्रेश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने हाल ही में अपनी किताब सनराइज ओवर अयोध्या लॉन्च की है। इसके बाद उनकी इस किताब के कुछ अंश पर विवाद शुरू हो गया है। किताब में उन्होंने हिंदुत्व की आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया) और बोको हरम से तुलना की है। स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि सलमान खुर्शीद ने हिंदी और हिंदुत्व को गाली देने की कोशिश की है।

वाराणसी में 12 से 14 नवंबर तक संस्कृति संसद आयोजित की गई है। इस बारे में जानकारी देने के लिए डॉ. इंद्रेश कुमार मुखातिब हुए थे। सनराइज ओवर अयोध्या में हिंदुत्व की तुलना आईएसआईएस और बोको हराम जैसे कट्टरपंथी जिहादी समूह से की गई है। यह टिप्पणी द सैफ्रॉन स्काई अध्याय में की गई है। पुस्तक के पृष्ठ संख्या 113 पर, यह कहा गया है कि सनातन धर्म और संतों के लिए जाने वाले शास्त्रीय हिंदू धर्म को हिंदुत्व के एक मजबूत संस्करण द्वारा एक तरफ धकेल दिया है, जिसके सभी मानक आईएसआईएस और बोको हराम जैसे जिहादी इस्लाम के समान एक राजनीतिक संस्करण जैसे हैं।

विभाजन पर हस्ताक्षर के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि 1947 में भारत के विभाजन पर हस्ताक्षर की गुनहगार कांग्रेस है। उन्हें गुनाह करने की आदत हो गई। कांग्रेस ने देश को पिछड़ा और गरीब देश बना दिया था। सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं से अपील है कि वह क्रूरता को न फैलाएं। डॉ. इंद्रेश ने कहा कि अगर सलमान खुर्शीद समझदार इंसान होंगे। तो वह सॉरी फील करेंगे। हमारा संकल्प है कि कैलाश मान सरोवर चीन से मुक्त हो। पाकिस्तान अपनी हरकत से बाज आए।

संविधान को खत्म करना चाहती है भाजपा : ओमप्रकाश राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हरदोई में आगामी महापंचायत की समीक्षा करने पहुंचे ओमप्रकाश राजभर ने भाजपा और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा को चलाने वाला संघ जो हमको आपको बेवकूफ और गुमराह करने वाला है। हमारा आप का हिस्सा लूटने वाला है। यह आरएसएस सबसे बड़ा बीजेपी का संगठन है बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हमको आपको जो संविधान दिया है।

भारतीय जनता पार्टी उसे खत्म करना चाहती है। उन्होंने जिन्ना की तुलना महापुरुषों से करने और खुद के बयान को सही ठहराया। कहा कि अखिलेश यादव ने जो कहा वह सही कहा है। जिले में अतरौली के सागर गढ़ी के झाबर मैदान में आगामी 27 नवंबर को महाराजा सुहेलदेव सिंह अर्कवंशी के 15वें मूर्ति स्थापना दिवस के मौके पर महापंचायत आयोजित होगी। रैली की समीक्षा करने पहुंचे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि भाजपा कहती है कि हम पूर्वांचल में मजबूत हैं। 27 तारीख को हम यहीं ऑपरेशन कर देंगे। पता नहीं चलेगा क्या हो गया। बस थोड़ा सा आप लोग तैयारी करिए।

सड़क पुनर्निर्माण नहीं होने तक करेंगे विरोध : राकेश प्रताप सिंह

» जर्जर सड़कों का निर्माण करा रहे सपा विधायक गिरफ्तार, मुचलके पर रिहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में दो सड़कों को लेकर पिछले एक महीने से चल रही सियासी रार और बढ़ गई। कल जर्जर सड़कों का श्रमदान से निर्माण करवाने पहुंचे सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। विधायक को पुलिस लाइन ले जाया गया, जहां शाम को उन्हें मुचलके पर छोड़ दिया गया। पीएमजीएसवाई से बनी कादूनाला-थौरी व मुसाफिरखाना-पारा संपर्क मार्ग के पुनर्निर्माण को लेकर गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह लगातार मुखर हैं।

गुरुवार सुबह विधायक अपने समर्थकों के साथ सड़कों को बनवाने के लिए खुद पहुंच गए। विधायक के साथ हजारों की संख्या में लोग और मशीनें भी आवश्यक निर्माण सामग्री के साथ मौके पर पहुंचाई गई थी। दोपहर बाद कादूनाला थौरी मार्ग पर ही कार्य कर रहे विधायक को धारा 144 प्रभावी होने की दलील देते हुए हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने सड़कों पर चल रहे मरम्मत कार्य को भी रुकवा दिया। पुलिस विधायक व उनके साथ लगे जिला पंचायत सदस्य धर्मेश धोबी को पुलिस लाइन ले आई। जहां पहुंचते ही विधायक के समर्थक जुटने लगे। जमकर नारेबाजी हुई। शाम को सभी लोगों को रिहा कर दिया गया।

जियो मेरे चीते.....

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

अधिकारियो मे चीता खरीद के लिए विदेश जाने की होड़

अपने ही विधानसभा में चुनाव हारेंगे धामी : प्रीतम सिंह

» नेता प्रतिपक्ष बोले- गैरसैंण के साथ मजाक कर रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने दावा किया कि बीजेपी खटीमा से चुनाव हार जाएगी। इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अगर अपने मौजूदा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े तो सिंह के मुताबिक उन्हें हार का स्वाद चखना पड़ेगा। रामनगर में प्रीतम सिंह ने कहा कि खटीमा की जनता विधायक के रूप में क्षेत्र के लिए किए गए उनके विकास कार्यों के बारे में जानना चाहती है, लेकिन धामी के पास इन सवालों का जवाब नहीं है। उधर खटीमा पहुंचे धामी ने जनसंपर्क करते हुए हर साल छठ पूजा के लिए पूर्वांचल समाज की मांग पर पूर्वांचल समाज की मांग पर भुड़महोलिया में 4 बीघा जमीन देने की घोषणा की।

प्रीतम सिंह के अनुसार खटीमा से कांग्रेस ने परिवर्तन यात्रा शुरू की थी, जिसमें लोगो के अपार समर्थन से साफ है कि बीजेपी और धामी खटीमा से चुनाव हार रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि धामी के बार बार खटीमा दौरे पर जा रहे हैं तो वहां के लोग उनसे बीते पांच सालों में विधायक के तौर पर और पिछले कुछ महीनों से सीएम के तौर पर किए गए काम का हिसाब मांग रहे हैं और वह जवाब नहीं दे पा रहे हैं। प्रीतम सिंह ने कहा कि बीजेपी गैरसैंण के साथ मजाक कर रही है। ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाकर गैरसैंण में विधानसभा का ग्रीष्मकालीन सत्र तो कराया नहीं, अब शीतकालीन सत्र करवाया जा रहा है। वहीं खटीमा दौरे पर पहुंचे धामी ने बताया कि 29 और 30 नवम्बर को गैरसैंण में विधानसभा सत्र में उत्तराखंड के विकास को लेकर 2025 तक के विजन का रोडमैप लाया जाएगा।

मेरे संपर्क में कोई बीजेपी नेता नहीं : हरीश रावत

पूर्व सीएम हरीश रावत समेत कई कांग्रेसियों ने पिछले कुछ दिनों से लगातार इस तरह के बयान दिए कि भाजपा के भीतर भगदड़ की स्थिति है और चुनाव से पहले कुछ और नेता कांग्रेस में शामिल होंगे। इन बयानों को खास तौर से कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत और बीजेपी विधायक उमेश काउ के साथ जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन सिंह ने उलट बयान देते हुए कहा कि बीजेपी का कोई विधायक या नेता अभी उनके संपर्क में नहीं है।

यूपी : सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी कांग्रेस, अब महंगाई को बनाया हथियार

» महंगाई समेत विभिन्न मुद्दों पर महाअभियान चलाने की तैयारी
» भाजपा हटाओ के नारे के साथ शुरू होगा जन जागरूकता अभियान
» कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पूरे प्रदेश में करेंगी बड़ी रैलियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सियासी वनवास खत्म करने के लिए कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। विधान सभा चुनाव में फतह हासिल करने के लिए कांग्रेस पूरे प्रदेश में महंगाई समेत विभिन्न मुद्दों पर महाअभियान चलाने जा रही है। इस दौरान लोगों को पार्टी से जोड़ने की कवायद भी की जाएगी।

यूपी में चुनावी सफलता हासिल करने के लिए कांग्रेस ने सघन रणनीति तैयार की है। इसके अंतर्गत पार्टी पूरे उत्तर प्रदेश में महंगाई के खिलाफ 32240 किलोमीटर की पदयात्रा आयोजित करेगी। ये पदयात्राएं सभी 403 विधान सभाओं में आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा बड़ी जगहों पर बड़े कार्यक्रम और रैलियां आयोजित की जाएंगी। छोटे स्थानों पर 5000 नुक्कड़ सभाएं आयोजित होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर से भाजपा हटाओ, महंगाई भगाओ नारे के साथ पदयात्राओं की शुरूआत की जाएगी। ये यात्राएं अगले 10 दिन यानी 24 नवंबर तक जारी रहेंगी। हर विधान सभा में न्यूनतम 10 किलोमीटर की पदयात्रा निकालने की रणनीति बनाई गई है। इसके अलावा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पूरे प्रदेश में बड़ी रैलियां आयोजित करेंगी, जिसमें वे महंगाई समेत प्रदेश के हर बड़े मुद्दों को उठाएंगी। वे उत्तर प्रदेश सरकार की हर नाकामियों को उजागर करने का काम भी करेंगी जबकि पदयात्राओं और नुक्कड़सभाओं के जरिए पार्टी के अन्य कार्यकर्ता उनकी बातों को समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुंचाने की कोशिश करेंगे। इन सभाओं के जरिए कांग्रेस समाज के हर व्यक्ति से संपर्क स्थापित करने की कोशिश करेगी।

कांग्रेस की प्रतिज्ञा की बांटी जाएंगी प्रतियां

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह ने बताया कि इन यात्राओं के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता प्रियंका गांधी के द्वारा ली गई उन प्रतिज्ञाओं की प्रतियां लोगों को बांटेंगे, जिनमें महिलाओं को चुनाव में ज्यादा सीटें देने और गरीबों के कल्याण की योजनाएं शामिल होंगी।

सभी बाजारों में नुक्कड़ सभाएं

यात्राओं के मार्ग में आने वाले सभी बाजारों में नुक्कड़ सभाएं आयोजित की जाएंगी। हर विधान सभा को चार टुकड़ों में बांटकर यात्राएं आयोजित की जाएंगी। हर विधान सभा में कम से कम आठ दिन यात्राएं निकाली जाएंगी। हर विधानसभा में 80 किमी की पदयात्राएं आयोजित होंगी। पूरे प्रदेश भर में 24,180 ग्रामस्तरीय बैठकें भी आयोजित की जाएंगी।

उत्तराखंड में महिलाओं को अधिक टिकट देगी भाजपा

सियासत गरमाने के लिए 30 नवंबर तक होंगे केंद्रीय नेताओं के धुआंधार दौरे

» 15 को आएंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड की चुनावी सियासत गरमाने के लिए भाजपा के केंद्रीय नेताओं के धुआंधार दौरे शुरू हो गए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 15 नवंबर को दो दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आएंगे। वह कुमाऊं मंडल के अल्मोड़ा व रुद्रपुर में प्रवास कर सकते हैं। इस महीने पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रवास और जनसभाओं के कार्यक्रम भी लगभग तय हो गए हैं, जिनकी पार्टी जल्द घोषणा कर देगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक की अध्यक्षता में प्रदेश महामंत्रियों के साथ हुई बैठक में केन्द्रीय नेताओं के प्रवास कार्यक्रमों पर मंथन हुआ। देर शाम तक चली बैठक में 11 नवंबर से 30 नवंबर तक के कार्यक्रम तय कर दिए गए। तय हुआ कि 11 नवंबर से पार्टी के प्रदेश संगठन प्रभारी, सह प्रभारी, चुनाव प्रभारी, सह चुनाव प्रभारी फील्ड में उतरेंगे। वे प्रदेश के अलग-अलग जिलों का दौरा करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह की दिल्ली में हुई बैठक के बिंदुओं पर विचार हुआ और केंद्रीय मंत्रियों व नेताओं के प्रवास के कार्यक्रम तय किया गया। कौशिक के मुताबिक पार्टी सभी 252 मंडलों और 70 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण के कार्यक्रम करेगी। मोर्चों के सम्मेलन होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि एक राजनीतिक दल के एक बड़े नेता ने कहा है कि 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देंगे। लखनऊ से देहरादून आते-आते ट्रेन धीमी पड़ गई लेकिन भाजपा पहले से अधिक युवा और महिलाओं को टिकट देगी।

प्रवासियों से अपील करेगी भाजपा

आगामी विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा ने दूसरे राज्यों में रहने वाले प्रवासियों से भी भाजपा के हक में आकर मतदान करने की रणनीति तैयार की है। इसके लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्री या पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों के माध्यम से पार्टी, प्रवासियों से उत्तराखंड आकर चुनाव में शामिल होने का अनुरोध किया जाएगा।

सिटिंग विधायकों का कटेगा टिकट

उत्तराखंड में मार्च तक नई सरकार अस्तित्व में आ जाएगी। इसके लिए जोड़-तोड़ जोरों पर है। बीजेपी ने दो सीएम बदलकर तीसरे सीएम के रूप में युवा विधायक पुष्कर धामी की ताजपोशी की तो कांग्रेस ने पांच-पांच प्रदेश अध्यक्ष बनाकर क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने की कोशिश की। इस बीच बीजेपी ने कई इंटरनल सर्वे कराए। इसके आधार पर तय किया गया कि एंटी इनकम्बेसी को कम करने के लिए कमजोर परफॉर्मेंस वाले सिटिंग विधायकों का टिकट काटा जाएगा। अब बीजेपी इससे भी आगे का प्लान कर रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अफगानिस्तान पर दिल्ली डायलॉग के निहितार्थ

“ सवाल यह है कि अफगानिस्तान को लेकर भारत ने ही पहल क्यों की? क्या पड़ोसी देश अफगानिस्तान के आतंकियों के पनाहगाह बनने को लेकर आशंकित हैं? क्या भारत बिना मान्यता दिए अफगानिस्तान में अपनी पहुंच बनाने की पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है? क्या मानवीय आधार पर राहत प्रदान करने भर से अफगानिस्तान के हालात बदल जाएंगे?

तालिबानियों के कब्जे में गए अफगानिस्तान के ताजा हालत पर पूरी दुनिया चिंतित है। भारत की पहल पर सात देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक दिल्ली में हुई। दिल्ली डायलॉग की अध्यक्षता भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने की। इसमें रूस, ईरान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान और ताजिकिस्तान के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सवाल यह है कि अफगानिस्तान को लेकर भारत ने ही पहल क्यों की? क्या पड़ोसी देश अफगानिस्तान के आतंकियों के पनाहगाह बनने को लेकर आशंकित हैं? क्या भारत बिना मान्यता दिए अफगानिस्तान में अपनी पहुंच बनाने की पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है? क्या मानवीय आधार पर राहत प्रदान करने भर से अफगानिस्तान के हालात बदल जाएंगे? क्या काबुल में खुली और समावेशी सरकार का गठन करने को तालिबान राजी होंगे? क्या चीन और पाकिस्तान अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए अफगानिस्तान का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं करेंगे?

जब से अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत कायम हुई है, हालात बदतर होते जा रहे हैं। तालिबानी शासन में महिला अधिकारों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अराजकता और भूखमरी फैली है। अर्थव्यवस्था रसातल में पहुंच चुकी है। यहां आठ आतंकी समूह अपना दबदबा कायम करने की कोशिश में हैं और इनके तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। यह भी साफ है पाकिस्तान और चीन तालिबान को भारत के खिलाफ एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने की साजिश रच रहे हैं। पड़ोसी देशों को भी पता है कि ये आतंकी संगठन आज नहीं तो कल उनके लिए भी खतरा बन सकते हैं। लिहाजा भारत की पहल पर रूस समेत सात पड़ोसी देशों के प्रतिनिधि दिल्ली पहुंचे और अफगानिस्तान के हालात पर मंथन किया। तय हुआ कि अफगानिस्तान को वैश्विक आतंकवाद का पनाहगाह नहीं बनने दिया जाएगा और वहां समावेशी सरकार बनाने का दबाव तालिबान पर बनाया जाए। भारत अच्छी तरह जानता है कि अफगानिस्तान में उसके हित हैं और उसे यहां अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। लिहाजा वह बिना तालिबान को मान्यता दिए अफगानिस्तान में प्रवेश की जुगत लगा रहा है। यही वजह है कि वह इन देशों के साथ मिलकर मानवीय सहायता के जरिए अफगानिस्तान में सेफ लैंडिंग की तलाश कर रहा है। अफगानिस्तान में भारत की मौजूदगी से चीन और पाकिस्तान की साजिशों पर बहुत हद तक लगाम लग सकती है। इसके अलावा रूस जैसे देश का साथ मिलने से भी भारत की स्थिति मजबूत हुई है। बावजूद इसके दिल्ली डायलॉग के संकल्पों को अफगानिस्तान में उतारना दूर की कौड़ी दिख रही है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नेताओं की भी हो लक्ष्मण रेखा

लक्ष्मीकांत चावला

जनता को जानना चाहिए कि उनके जनप्रतिनिधियों को कई विशेष अधिकार मिलते हैं अगर कोई सरकारी अधिकारी उनको पूरा मान-सम्मान न दे या उनका उचित-अनुचित आदेश न माने तो उसे जनप्रतिनिधि की मानहानि मानकर विधान सभा या संसद के स्पीकर के समक्ष शिकायत की जा सकती है। स्पीकर महोदय बड़े से बड़े अधिकारी को बुलाकर डांट भी सकते हैं, दंड भी दिलवा सकते हैं। शायद इसीलिए जनप्रतिनिधियों का अपने अधिकारों के प्रति विवेकहीन दुराग्रह बन गया है। हाल ही में गुरदासपुर जिले के एक विधायक ने उस व्यक्ति को थप्पड़ जड़ दिए, जिसने अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए विधायक से यह पूछा था कि उनके क्षेत्र में आज तक क्या विकास किया गया। विधायक ने उत्तर थप्पड़ और घूंसे से दिया। ऐसे ही जब मामले की खूब चर्चा हुई, विधायक की निंदा हुई तो स्वांग रचा गया कि प्रश्न करने वाले युवक की शब्दावली अशिष्ट थी। विडंबना कि उस युवक ने माफी मांगी।

कुछ समय पहले इंदौर के एक सत्तापति राजनेता ने जो बाद में विधायक भी बना, एक इंजीनियर को क्रिकेट के बैट से पीट दिया। थोड़ी-सी नाक बचाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व में उसे एक कारण बताओ नोटिस दिया पर वह राजनीति के बड़े खिलाड़ी का बेटा था। फिर उसके बेटे को पार्टी से निकालने या दंड देने का साहस किसी ने न किया। ऐसी ही दुर्घटना महाराष्ट्र में भी हुई। वहां भी सत्तापतियों के हाथों एक वरिष्ठ अधिकारी पीटा गया। उसके मुंह पर कीचड़ पोत दिया। आखिर क्या अधिकार केवल उनके ही हैं, जिनको अधिकार आम जनता ने दिया। विधायकों और सांसदों को सत्तापति बनाने के लिए जिन्होंने मतदान किया, दुख-सुख में संरक्षण के लिए अपना प्रतिनिधि बनाया, वही इतने उद्दंड हो जाएं कि जब चाहें, जिसे चाहें अपनी सत्ता के नशे में पीट दें, अपमानित करें या मुंह पर कालिख पोत दें। डराने और धमकाने में भी हमारे जनप्रतिनिधि सभी सीमाएं लांघ जाते हैं। बहुत से मतदाता पूछते हैं कि अगर नेताजी चार या उससे ज्यादा निर्वाचन क्षेत्रों से वोट ले सकते हैं तो हम एक से ज्यादा स्थानों पर वोट क्यों नहीं डाल सकते। इसका उत्तर मिलना भी नहीं, मिला भी नहीं। अगर निष्पक्ष ढंग से सोचा जाए तो जो नेता एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ता है और सभी जगहों से विजयी होने के बाद त्यागपत्र देता है तो वहां पुन: चुनाव करवाने का खर्च सरकार पर क्यों डाला जाए। नियम तो यह होना चाहिए कि वह सारा खर्च वही

विधायक या सांसद दे, जिसने एक से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ा और पुन: चुनाव करवाने की स्थिति के लिये मजबूर किया।

सवाल है कि जहां न नेता का वोट है और न उसे उस क्षेत्र की कोई जानकारी है, वहां से चुनाव कैसे लड़ सकता है? आज तक कोई भी सरकार या चुनाव आयोग यह नियम नहीं बना सका कि जनता का प्रतिनिधि चुनाव जीतने के बाद अपने चुनाव क्षेत्र में ही रहे, जिससे जनता की सुख-सुविधाओं का ध्यान रख सके, उनकी कठिनाइयां दूर कर सके। हमारे देश के सैकड़ों ऐसे विधायक व सांसद हैं जो चुनाव जीतने के बाद अपने क्षेत्र से लगभग गायब रहते हैं। वे जानते हैं कि शायद ही वे इस क्षेत्र में चुनाव की मार्केट में दोबारा उतरें अन्यथा जिस पार्टी को उनकी जरूरत होगी वे स्वयं ही कोई सुरक्षित क्षेत्र चुनाव लड़ने के लिए दे देगी। जनता ठगी-ठगी सी रह जाती है। चुनावों में टिकट देने वाले जानते हैं कि यह पैराशूटी उम्मीदवार जनता के लिए नहीं चुने अपितु संसद या विधान सभा में हाथ खड़े करने के लिए चुने हैं। सर्वविदित है कि बहुत से जनप्रतिनिधि पंचायत से लेकर संसद तक जनता से दूर रहते हैं। विधान सभाओं और संसद में कभी उन्होंने जनता के हित के लिए मुंह नहीं खोला। बहुत से तो शायद यह भी नहीं जानते होंगे कि काल अटेंशन और स्थगन प्रस्ताव कैसे बनाए, दिए और पेश किए जाते हैं। सदन में उनकी उपस्थिति भी कम रहती है। एक कॉलेज विद्यार्थी को 75 प्रतिशत उपस्थिति देना आवश्यक है अन्यथा परीक्षा के लिए अयोग्य माना जाता है, पर इनकी उपस्थिति पांच प्रतिशत भी रहे तो ये माननीय सांसद व विधायक हैं और पूरा वेतन-भत्ता लेते हैं। इनसे प्रश्न करने वाला कोई नहीं, क्योंकि ये जनता बेचारी के वोट लेकर वीआईपी हो गए इसलिए अगर लोकतंत्र को स्वस्थ बनाना है तो जनता को भी ऐसे चुनावी उम्मीदवारों का विरोध करना चाहिए जो फसली बटेरे ज्यादा हैं, जनप्रतिनिधि नहीं। जो चार-चार सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और कभी भी अपने चुनाव क्षेत्र से वफादारी नहीं निभाते। जनता को चाहिए कि जागरूक होकर ऐसे चुनावी खिलाड़ियों को नकार दे जो जनप्रतिनिधि बनने के लिए नहीं, अपितु माननीय और वीआईपी बनने के लिए चुनाव लड़ते हैं।

सामरिक चुनौतियों से मुकाबले का वक्त

जी. पार्थसारथी

पिछले दिनों बेंगलुरु स्थित भारतीय वायुसेना के प्रशिक्षण कमान मुख्यालय में सपन्न हुए तीन दिवसीय सम्मेलन में रक्षा मंत्रालय के कामकाज में किए गए हालिया महत्वपूर्ण ढांचागत बदलावों का असर साफ देखने को मिला। यह आयोजन 1971 में भारत-पाक युद्ध के बाद बांग्लादेश के जन्म की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर किया गया था। समारोह का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। अन्य मुख्य वक्ताओं में चीफ-ऑफ-डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत और रक्षा सचिव अजय कुमार भी थे। सभाओं से एकदम साफ था कि रक्षा विभाग में काम करने के तौर-तरीकों में किए गए ढांचागत परिवर्तनों के बाद कार्यवाही में किस कदर बदलाव आया है।

स्पष्टत: सेना के तीनों अंगों थल, जल और नभ सेना के बीच अब पहले से ज्यादा एकीकरण है और संस्थागत एवं तंत्रगत तालमेल बना है, जहां हरेक विभाग की जिम्मेवारियां और शक्तियां समुचित रूप से चिन्हित हैं और तंत्र संस्थानिक बन गया है। यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है क्योंकि औपनिवेशिक दौर वाला जो पुराना ढांचा था, उसमें काफी बदलावों की जरूरत थी ताकि 21वीं सदी की नयी सामरिक चुनौतियों का सामना किया जा सके। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 1971 का युद्ध किसी जीत या इलाका फतह के उद्देश्य से नहीं था। हमारी राजनीतिक-सैन्य दृष्टिकोण और कार्रवाइयों ने अन्याय और ज्यादतियों को खत्म कर एशिया में एक नये देश (बांग्लादेश) को जन्म दिया, यह सेना के तीनों अंगों और सरकार के बीच बना तालमेल और सहयोग था, जिसने इतने विशाल अभियान में हमारी सफलता सुनिश्चित की थी। चर्चा में पाकिस्तान का नाम आना स्वाभाविक था, किंतु सम्मेलन में तवज्जो का मुख्य केंद्र मुखर और दबंग हुए चीन से दरपेश नयी चुनौतियां रहीं।

चीफ-ऑफ-डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत, जो कि सैन्य मामले विभाग के सचिव भी हैं, ने ‘ग्रे-जोन वारफेयर’ नामक नीति अपनाने वालों का जिक्र किया, जो जाहिर है आतंकवाद को हवा देने वाला पाकिस्तान है। जनरल रावत ने कहा कि ‘फिलहाल हमारा ज्यादा ध्यान चीन से पैदा हुए सुरक्षा खतरों पर है। तकनीकी क्षेत्र में चीन की तरक्की, वह साइबर हो या अंतरिक्ष में बनी बढ़त, यह भारत के लिए चिंतातुर घटनाक्रम है। चीन की विस्तारवादी नीति में आक्रामक तेवर रखना एक स्थाई भंगिमा रहेगी, जिसको लेकर हमें सचेत रहना होगा।’ ध्यान का केंद्र-बिंदु अधिकांशत: भारतीय उपमहाद्वीप समेत हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में चीन की भूमिका पर रहा और चीन द्वारा पाकिस्तान, अफगानिस्तान और हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में अपनाई भूमिका के बारे में बताया गया। स्पष्ट है कि चीन ने भारत को घेरने की दीर्घकालीन नीति अपना रखी है, इसी क्रम में बहुत सालों से वह पाकिस्तान को परमाणु अस्त्र और मिसाइल के विकास एवं तैनाती के लिए सहायता जारी रखे हुए है ताकि वह भारत में दिल्ली से लेकर अंडमान-निकोबार द्वीप तक को निशाना बनाने की क्षमता प्राप्त कर सके। चीन ने हमारे पड़ोसी दक्षिण एशियाई देशों और भारत के बीच संबंध बिगाड़ने की गर्ज से वहां के भारत-विरोधी राजनीतिक दलों और तत्वों की मदद करने वाली नीति भी अपना रखी है। भौगोलिकता के हिसाब से भारत की स्थिति सामरिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वह होरमुज की खाड़ी से लेकर मलक्का की खाड़ी तक के हिंद महासागरीय क्षेत्र में नौवहनीय आवाजाही पर काफी प्रभाव डालने की हैसियत रखता है। इन जलमार्गों से होकर, रोजाना लगभग 3.6 करोड़ बैरल तेल अरब देशों से बाकी एशियाई मुल्कों तक पहुंचता है। इन नौवहनीय रूटों से पूरी दुनिया का अमूमन 64 प्रतिशत तेल ले जाया जाता है। चीन की मुख्य चिंता क्वाड संगठन को लेकर है क्योंकि वह हिंद महासागर से होकर उस तक पहुंचने वाली अति आवश्यक ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति को नियंत्रित कर सकता है। भारत और उसके क्वाड सहयोगी मुल्कों को चाहिए कि वे समन्वित तरीके से हमख्याल देशों को जोड़कर दायरा बढ़ायें, खासकर गल्फ को-ऑपरेशन काउंसिल और आसियान संगठन को। चीन को हड़पने वाली शक्ति के तौर पर लिया जा रहा है, हिंद-प्रशांत महासागरीय इलाके के कम-से-कम 16 पड़ोसी मुल्कों के साथ उसके जलीय-थलीय सीमा संबंधी दावे हैं। इसके अलावा चीन की नीति का उद्देश्य पहले समूचे दक्षिण एशिया क्षेत्र में क्षेत्रीय महाशक्ति बनना है, फिर चाहे यह भारत की दहलीज पर स्थित नेपाल या श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव या भूटान हो, वह सब पर अपना प्रभुत्व जमाना चाहता है। दक्षिण एशिया और उससे परे चीन अपनी नीतियां पाकिस्तानी सेना के रावलपिंडी स्थित सेना मुख्यालय से निकट गठजोड़ और तालमेल बनाकर चला रहा है। चूंकि पाकिस्तान नहीं चाहता कि दक्षेस संगठन की दक्षिण एशिया में कोई रचनात्मक भूमिका हो, इसलिए भारत को चाहिए कि वह अन्य संगठन, मसलन बिम्सटेक, जिसके सदस्य हमारे दक्षिण एशियाई पड़ोसी मुल्क हैं, के साथ जुड़कर आसियान संगठन के देशों तक जाते क्षेत्रीय संपर्क मार्ग बनाने वाले काम को बढ़ावा दे। विगत में भारत ने दिखा दिया है कि उसके संबंध पड़ोसी मुल्क जैसे कि ईरान, खाड़ी के अरब देश और मध्य एशिया में ताजिकिस्तान, यहां तक कि रूस के साथ कितनी मजबूत जमीन पर टिके हैं।

भगवान विष्णु को समर्पित व्रत है

देवोत्थान एकादशी

कार्तिक शुक्ल की एकादशी को भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं, जिसके बाद चार माह से रुके हुए सभी मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। भगवान विष्णु आषाढ़ शुक्ल एकादशी को चार माह के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। देव जागरण या उत्थान होने के कारण इसे देवोत्थान एकादशी कहते हैं। इस दिन उपवास रखने का विशेष महत्व है। कहते हैं इससे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस साल देवोत्थान एकादशी का रविवार, 14 नवंबर 2021 को है।

देवोत्थान एकादशी पर इन बातों का ख्याल रखें ध्यान

देवोत्थान एकादशी वाले दिन निर्जल या केवल जलीय पदार्थों पर उपवास रखने से लाभ मिलता है। अगर कोई बीमार शख्स, वृद्ध, बालक या व्यस्त व्यक्ति हैं तो केवल एक वेला का उपवास रखना चाहिए और फलाहार करना चाहिए। अगर यह भी संभव न हो तो इस दिन चावल और नमक नहीं खाना चाहिए। भगवान विष्णु या अपने इष्ट-देव की उपासना करें। इस दिन तामसिक आहार (प्याज, लहसुन, मांस, मदिरा, बासी भोजन) बिलकुल न खाएं। इस दिन? नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना चाहिए।

एकादशी पर न करें ये कार्य

1- इस दिन चावल खाना पूरी तरह ?वर्जित माना गया है। इसके अलावा मांसाहार या तामसिक गुणों वाली चीजों का सेवन करने से भी बचना चाहिए।
2- जिन लोगों ने एकादशी का व्रत रखा है, वे लकड़ी के दातून या पेस्ट से दांत साफ न करें। क्योंकि इस दिन किसी पेड़-पौधों के पत्तों को नहीं तोड़ना चाहिए।
3- एकादशी के दिन तुलसी तोड़ने से बचें, क्योंकि तुलसी विष्णु की प्रिया हैं।
4- भोग लगाने के लिए पहले से तुलसी तोड़ लेनी चाहिए, लेकिन अर्पित की गई तुलसी स्वयं ग्रहण न करें।
5- व्रत रखने वाले भूल से भी गोभी, गाजर, शलजम, पालक, कुलफा का साग आदि का सेवन नहीं करें।
6- इस दिन घर में भूलकर भी कलह न करें।

पूजा विधि

गन्ने का मंडप बनाने के बाद बीच में चौक बना लें। इसके बाद चौक के मध्य में चाहें तो भगवान विष्णु का चित्र या मूर्ति रख सकते हैं। चौक के साथ ही भगवान के चरण चिह्न बनाए जाते हैं, जिसको कि ढ़क दिया जाता है। इसके बाद भगवान को गन्ना, सिंघाडा और फल-मिठाई समर्पित किए जाते हैं। घी का एक दीपक जलाया जाता है जो कि रातभर जलता रहता है। भोर में भगवान के चरणों की विधिवत पूजा की जाती है। फिर चरणों को स्पर्श करके उनको जगाया जाता है। इस समय शंख-घंटा-और कीर्तन की आवाज की जाती है। इसके बाद व्रत-उपवास की कथा सुनी जाती है। जिसके बाद सभी मंगल कार्य विधिवत शुरु किए जा सकते हैं।

देव उठानी एकादशी शुभ मुहूर्त

एकादशी तिथि का प्रारम्भ- 14 नवम्बर, 2021 को प्रात: 05 बजकर 48 मिनट से।
एकादशी तिथि का समाप्त- 15 नवम्बर, 2021 को प्रात: 06 बजकर 39 मिनट पर।
देव उठानी एकादशी व्रत पारण मुहूर्त
15 नवम्बर को, पारण (व्रत तोड़ने का) समय: 01:10 पी एम से 03:19 पी एम
पारण तिथि के दिन हरि वासर समाप्त होने का समय - 01: 00 पीएम

हंसना मना है

पति: आज खाना क्यों नहीं बनाया? पति: जीजा जी, मैं गिर गई थी और लग गई। जीजा जी: कहां गिर गई थी साली जी और क्या लग गई थी आपको? पत्नी: जीजा जी, तकिये पर गिर गई थी और नींद लग गई थी।

पत्नी: तुम शराब में बहुत पैसे बरबाद करते हो, अब बंद करो। चिंटू: और तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो उसका क्या पत्नी: वो तो मैं तुम्हें सुंदर लगूं इसलिए। चिंटू: पगली तो में भी तो इसलिये पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगे।

टीचर: न्यूटन का नियम बताओ। स्टूडेंट: सर पूरी लाइन तो याद नहीं, लास्ट की याद है। टीचर: चलो लास्ट की ही सुनाओ। स्टूडेंट: ....और इसे ही न्यूटन का नियम कहते हैं।

मायके से पत्नी फोन पर : आपके बिना जी नहीं लगता। पति: अरे पगली, जी नहीं लगता तो स्टार या सोनी गोल्ड लगा कर देख ले, वो भी अच्छे चैनल हैं।

अध्यापक ने एक छात्र से पूछा : बताओ, शाहजहां कौन था? छात्र: जी, वह एक मजदूर था! अध्यापक: कैसे? छात्र: आपने ही तो कहा था कि शाहजहां ने कई इमारतों का निर्माण किया था!

कहानी
बिल्ली ने उठाया फायदा

एक बिल्ली को रोटी का एक टुकड़ा दिखाई दिया। वह बहुत भूखी थी, इसलिए जल्दी से उस टुकड़े की ओर दौड़ी। इससे पहले कि वह टुकड़े तक पहुँच पाती, एक दूसरी बिल्ली ने भी उस टुकड़े को देख लिया। वह टुकड़े के नजदीक ही खड़ी थी। इसलिए उसने लपककर रोटी के टुकड़े को उठा लिया। इस बात पर दोनों बिल्लियाँ लड़ने लगीं। मैंने इसे पहले देखा था, इसलिए यह मेरा है। पहली बिल्ली बोली। लेकिन इसे उठाया तो पहले मैंने है न! इसलिए यह मेरा है। दूसरी बिल्ली जोर से म्याऊँ कहकर बोली। मेरा है मेरा है नहीं मेरा है नहीं मेरा है मेरा मेरा और इस तरह दोनों जोर-जोर से चिल्लाने और झगड़ने लगीं। यह शोर छत पर बैठे एक बंदर ने सुना। वह नीचे उतरा और बिल्लियों से बोला, बिल्लियो, तुम लड़ो नहीं, मैं तुम्हारी मदद करता हूँ। कैसे? बंदर बोला, तुम दोनों इस टुकड़े को आधा-आधा बराबर बाँट क्यों नहीं लेतीं। यह बात दोनों बिल्लियों को अच्छी लगी। लेकिन कौन इस रोटी को बराबर बाँटेगा? यह काम मैं करूँगा। बंदर बोला। उसने रोटी हाथ में ली और दो हिस्सों में तोड़ दी। लेकिन एक टुकड़ा थोड़ा-सा बड़ा और दूसरा थोड़ा-सा छोटा था। बंदर बोला, इन टुकड़ों को बराबर करना ही होगा। नहीं तो तुम दोनों फिर से लड़ने लगोगी। यह कहकर उसने बड़े टुकड़े में से एक भाग तोड़कर खा लिया। लेकिन यह क्या? अब दूसरा टुकड़ा बड़ा हो गया। उसे छोटा करने के लिए उसने इस बार दूसरे टुकड़े में से एक भाग तोड़ा और खा गया। अब परेशानी यह हुई कि पहले वाला टुकड़ा बड़ा हो गया। तो उसने अब पहले वाला टुकड़ा लिया और उसमें से थोड़ा-सा खा गया। बिल्लियाँ चुपचाप खड़ी देख रही थी और बंदर को कुछ कह भी नहीं पा रही थी। देखते-ही देखते बंदर ने एक-एक भाग खाते-खाते सारी रोटी खत्म कर दी और खौं-खौं करते हुए भाग गया। और बिल्लियाँ बेचारी क्या करती। उनकी लड़ाई में बंदर ने फायदा जो उठा लिया था।

7 अंतर खोजें

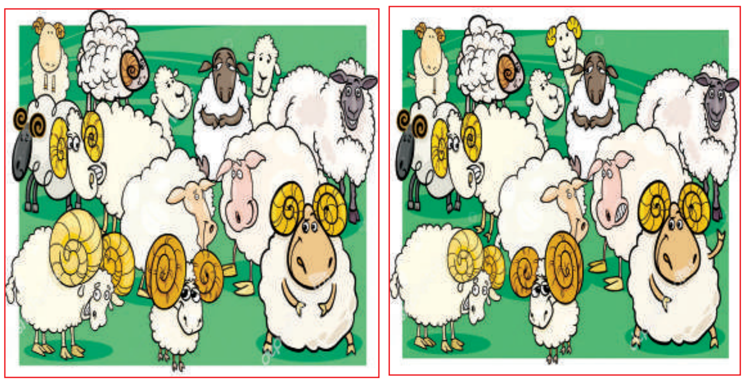

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रतिपूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। अधीनस्थों की ओर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

मिथुन यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनकूल रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें। नए अनुबंध होंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

कर्क दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। लेन-देन में सावधानी रखें।

सिंह यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी।

कन्या व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। राजकीय काम बनेंगे। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं।

तुला राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें।

वृश्चिक वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अत: उसका परित्याग करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

धनु मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

मकर व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

कुम्भ आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान से कष्ट रहेगा।

मीन प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी।

बॉलीवुड | बिग बॉस 15

अफसाना खान फिर हुई आउट ऑफ कंट्रोल

बिग बॉस 15 पहले दिन से हंगामेदार देखने को मिल रहा है। आने वाले एपिसोड्स में और भी टर्न एंड ट्विस्ट्स आने वाले हैं। बिग बॉस का आने वाले एपिसोड में भयानक मोड़ देखने को मिलने वाला है। शो की कंटेस्टेंट और पंजाबी सिंगर अफसाना खान एक बार फिर से आउट ऑफ कंट्रोल होते हुए दिखाई देने वाली हैं। शो में वीआईपी टिकट नहीं मिलने के बाद अफसाना का रौद्र रूप देखने को मिलने वाला है। रिपोर्ट्स की मानें तो फेमस पंजाबी सिंगर अफसाना खान शो से बाहर हो गई है। अफसाना के शो से बाहर होने के अगल-अलग कारण सामने आ रहे हैं। दरअसल, घर के कैप्टन उमर रियाज को करण कुन्द्रा, निशांत भट्ट, तेजस्वी प्रकाश और अफसाना खान में से तीन को चुनना था। उन्होंने अफसाना को छोड़ दिया और अन्य तीन प्रतियोगियों को चुना। उमर रियाज के इस फैसले के बाद वह काफी नाराज होती दिखाई देंगी और घर के अंदर अपना आपा खो बैठेंगी। किचन एरिया के पास बैठे हुए अफसाना शमिता शेट्टी, जय भानुशाली, करण कुंद्रा, उमर रियाज से कहती है कि वह सबका साफ निशाना थी और वे उसे हटाना चाहते थे। अफसाना का कहना है कि यह शो रिश्तों को निभाने के बारे में बिल्कुल भी नहीं है, और खुद को मारने, चिल्लाने लगती है। वह आगे कहती हैं कि उन लोगों ने गलत व्यक्ति को चुनौती दी है और ऑउट ऑफ कंट्रोल हो जाती है। दरअसल, अफसाना का उमर, तेजस्वी और करण के साथ बहुत करीबी रिश्ता है और वह आहत थी कि उसे उसके दोस्तों ने छोड़ दिया था। जय भानुशाली उसे समझाते हैं कि उसका परेशान होना लाजमी है, लेकिन इतना ज्यादा भी नहीं। इसके चंद सेकेंड में अफसाना खान चाकू उठाती है और कुछ सामान फेंक कर खुद को नुकसान पहुंचाने चली जाती है।

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई सूर्यवंशी

सूर्यवंशी बॉलीवुड की वो फिल्म जिसके लिए फेंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। फिल्म के रिलीज होने के 5वें दिन में अक्षय कुमार की फिल्म ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म ने पांचवे दिन 100 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म तान्हाजी : द अनसंग वॅरियर के बाद सूर्यवंशी 100 करोड़ रुपए कमाने वाली पहली फिल्म बन गई है।

बॉक्स ऑफिस इंडिया के मुताबिक, मंगलवार को सूर्यवंशी ने लगभग 14 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। अब तक के कलेक्शन पर नजर डाले तो फिल्म मे पहले दिन यानी शुक्रवार को 26.29 करोड़ रुपए, शनिवार को 23.85 करोड़ रुपए रविवार को 26।94 करोड़ और सोमवार को 14.51 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। मंगलवार को हुए 14 करोड़ रुपए के कलेक्शन के साथ फिल्म 100 करोड़ का आकंड़ा पार कर चुकी है। च3फिल्म सूर्यवंशी की कुल कमाई अब 103 करोड़ के आसपास हो गई है। सूर्यवंशी ने गुजरात और महाराष्ट्र में जमकर कमाई की है। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ-साथ कैटरीना कैफ, अजय देवगन और रणवीर सिंह भी हैं। सौ करोड़ रुपये या उससे ऊपर की कमाई करने वाली फिल्मों में अब तक 10 फिल्में ऐसी रही हैं, जिन्होंने रिलीज के तीन दिन में ही सौ करोड़ रुपये कमा लिए। चार दिन में सौ करोड़ रुपये कमाने वाली अब तक चार फिल्में रही हैं। इनमें फिल्म 'सूर्यवंशी' के निर्देशक रोहित शेट्टी की दो फिल्में 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'गोलमाल अगेन' शामिल हैं। महाराष्ट्र में सिनेमाघर पूरी क्षमता से खुलने के बाद मेकर्स ने फिल्म को रिलीज करने का फैसला किया था। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि सूर्यवंशी की दमदार शुरुआत का फायदा बॉलीवुड की आने वाली मूवीज को भी मिलेगा। वैसे फिल्म के रिव्यूज इसके कलेक्शन से कुछ अलग ही हैं। सूर्यवंशी को क्रिटिक का कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला है। पर सूर्यवंशी को दिवाली की लंबी छुट्टियों का फायदा मिल गया है, जिसका नतीजा इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में देखा जा सकता है।

बॉलीवुड | मसाला

नोरा फतेही का 'Kusu-Kusu' गाना यूट्यूब पर रिलीज

अपने बोल्ड अंदाज और बेहतरीन डांस की वजह से नोरा फतेही अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। एक बार फिर से सोशल मीडिया पर नोरा फतेही चर्चा में हैं। इस बार वह अपने नए गाने 'Kusu-Kusu' की वजह से सुर्खियों में हैं।

बुधवार को यूट्यूब के टी-सीरीज ऑफिशियल पेज से इस सॉन्ग का टीजर रिलीज किया गया है। रिलीज होते ही महज कुछ घंटे में इस गाने को 10 लाख से अधिक व्यूज मिल गए हैं। लोग इस गाने में नोरा के अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस नोरा फतेही फिल्म सत्यमेव जयते 2 में डांस फ्लोर पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। कई सारे पॉपुलर सॉन्ग में शानदार अभिनय करने के बाद एक बार फिर से निर्देशक मिलाप मिलन के तीसरे सिजलिंग डांस में नोरा हिस्सा लेने जा रही हैं। एक्ट्रेस नोरा फतेही के गाने कुसु ने उनके फैंस को क्रेजी बना दिया है। इस गाने को जारा खान और देव नेगी द्वारा गाया गया है। वहीं, इस गाने को तनिष्क बागची ने लिखा है। कुसु-कुसु गाने को आदिल शेख ने कोरियोग्राफ किया है। इस गाने में एक्ट्रेस नोरा फतेही के बेहतरीन डांस ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। इस गाने को लोगों द्वारा पसंद किए जाने के बाद नोरा फतेही कहती हैं कि सत्यमेव जयते मेरे लिए काफी स्पेशल है और मैं सत्यमेव जयते 2 का भी हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। दिलबर की सफलता के बाद, दिलरुबा के साथ वापस आना बहुत अच्छा अहसास है, मैं मिलाप, निखिल सर और भूषण सर की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे एक बार फिर से मौका दिया है।

अजब-गजब | यहां पानी पर टिके हुए नजर आते हैं पत्थर

ये है दुनिया की सबसे अनोखी झील जिसके ऊपर हवा में लटके हैं पत्थर

पूरी दुनिया रहस्यों से भरी हुई है जिन्हें आज तक इंसान सुलझा नहीं पाया। आज हम आपको एक ऐसे रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। आज हम आपको दुनिया की सबसे बड़ी झील के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके ऊपर हवा में बिना किसी सहारे तमाम पत्थर लटके हुए हैं। बता दें कि दुनिया की इस सबसे बड़ी झील के ऊपर सर्दियों के मौसम में कई पत्थर हवा में ऐसे लटक जाते हैं, जैसे कोई पानी की बूंद हो। बता दें कि इन पत्थरों को दूर से देखकर ऐसा लगता है जैसे कि ये हवा में लटक रहे हों, लेकिन अब इसका रहस्य खुल गया है। दरअसल, यह प्रकृति का एक अनोखा राज था जिसको इससे पहले तक कोई जान नहीं पाया था।

असल में ये पत्थर बर्फ की बेहद पतली और नाजुक नोक पर टिके होते हैं। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने इस रहस्य को सुलझा लिया है। बता दें कि आम तौर पर पत्थर पानी में डुब जाते हैं, लेकिन रूस के साइबेरिया में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी झील लेक बैकाल में सर्दियों के मौसम में एक अलग ही नजारा देखने को मिलता है। यहां पानी पर पत्थर टिके हुए नजर आते हैं।

दरअसल, बैकाल झील में जब सर्दियों के मौसम में बर्फ जमती है तो वो अलग-अलग आकृतियों में तब्दील हो जाती है। इसमें से एक प्रक्रिया है सब्लिमेशन, मतलब कि बर्फ का ऊपर की तरफ आ जाना। सर्दियों के समय जैसे ही तापमान नीचे गिरता है, पानी बर्फ में बदल जाता है और अगर झील के नीचे से ऊपर की तरफ किसी तरह का सब्लिमेशन होता है तो उसके ऊपर मौजूद वस्तु बाहर आ जाती है और वो हवा में लटकती हुई दिखाई देती है।

इस झील के ऊपर हवा में लटके हुए पत्थरों पर नासा के एम्स रिसर्ट सेंटर के साइंटिस्ट जेफ मूर का कहना है कि ये परिभाषा गलत है कि बर्फ के जमने से ये पत्थर ऊपर टिक गए, क्योंकि झीले के अंदर तक बर्फ नहीं जमती बल्कि ऊपर जमती है। नीचे पानी का बहाव होता है और बहता हुआ पानी किसी भी भारी वस्तु को ज्यादा नहीं हिला सकता जब तक बहाव में तेजी न हो।

सालों से इस देश में हो रही है मछलियों की बारिश, आज तक पता नहीं चल पाया रहस्य

आजतक आपने आसमान से पानी के अलावा ओले और तेजाब की बारिश के बारे में तो सुना होगा लेकिन क्या आपने कभी आसमान से मछलियों के बारिश के बारे में सुना है। आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां पिछले 100 सालों से आसमान से मछलियों की बारिश हो रही है। आश्चर्य की बात यह है कि इसका पता आजतक कोई नहीं लगा पाया है। मछलियों की बारिश होने वाले देश का नाम है होंडूरास। यह देश मैक्सिको के पास बसा है। यह कई दशकों से इस अद्भुत घटना का गवाह बन रहा है। यह अद्भुत घटना है आसमान से मछलियों की बारिश होना। पिछले 100 सालों से यहां मछलियों की बारिश की घटना होती है। यहां कभी-कभी साल में एक बार तो कभी दो बार भी मछलियों की बारिश होती है। ये अद्भुत घटना बसंत ऋतु के अंत में या गर्मियों की शुरुआत में होती है। होंडूरास अटलांटिक महासागर से केवल 200 किलोमीटर दूर है। वैज्ञानिक का कहना है कि अटलांटिक महासागर की वजह से ही यहां मछलियों की बारिश होती है। लेकिन यहां के निवासी मछलियों की बारिश को भगवान का करिश्मा बताते हैं। होंडूरास के लोग मछलियों की इस बारिश के पीछे ये तर्क देते हैं कि 19वीं शताब्दी में यहां के लोगों की आर्थिक हालत बेहद खराब थी, जिसकी वजह से लोग भूखे मर रहे थे। ये सब वहां रह रहे एक स्पेनिश पादरी से देखा नहीं गया। इसलिए उन्होंने तीन दिन और तीन रात तक लगातार प्रार्थना की। उसके बाद भगवान से कहा कि वो यहां के गरीब लोगों के लिए चमत्कार दिखाएं और उनके खाने का इंतजाम करें। कहा जाता है कि पादरी की प्रार्थना की वजह से होंडूरास में अंधेरा छा गया। उसके बाद आसमान से मछलियों की बारिश होने लगी। तब से यह चमत्कार यहां हर साल देखने को मिलने लगा। बताया जाता है कि यहां मछलियों की बारिश होने से पहले मूसलधार बारिश होती है। इस दौरान इतनी तेज बिजली कड़कती है कि कोई भी घर से बाहर जाने की हिम्मत नहीं करता है। जब बारिश रुक जाती है और मौसम साफ हो जाता है तो लोग अपने-अपने घरों से बाल्टी और टोकरी लेकर निकलते हैं और सड़कों पर पड़ी मछलियों को उठाकर ले जाते हैं। इस दौरान लोगों को बिना किसी मेहनत के सीफूड खाने का मौका मिलता है।

भाजपा सरकार में बढ़ा अन्याय और भ्रष्टाचार : अखिलेश

» खाद की हो रही कालाबाजारी, कानून व्यवस्था ध्वस्त

किसानों पर थोप दिए तीन काले कानून नौजवान परेशान

आसमान पर पहुंची महंगाई, हिरासत में हो रहीं मौतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार का झूठ अब उसके गले की फांस बन रहा है। प्रदेश भर में खाद की किल्लत है और सरकार कह रही है कि पर्याप्त खाद का स्टॉक है, कोई कमी नहीं है लेकिन हकीकत में पूरे प्रदेश में किसान परेशान हैं। खाद की कालाबाजारी शुरू हो गई है। अफसरों और भाजपा नेताओं की मिलीभगत से किसान को खाद नहीं मिल रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों- नौजवानों- पिछड़ों- दलितों, अगड़ों सभी को धोखा दिया है। ये नफरत फैलाने वाले समाज में खाईं पैदा करने वालें लोग है। जो सरकार पिछड़ों की गिनती नहीं करा सकती है वो हक और सम्मान नहीं देगी। भाजपा पिछड़ों का आरक्षण छीन रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार झूठ बोलने वाली, सरकारी सम्पत्तियों को बेचने वाली सरकार है। भाजपा सरकार में अन्याय और भ्रष्टाचार कई गुना बढ़ गया है। कानून व्यवस्था की तारीफ करने वाले मुख्यमंत्री अपने शहर में लोगों की रक्षा नहीं कर पाए। जेल में जेलर पिट गए। पुलिस हिरासत में युवक की मौत हुई। गोरखपुर में व्यापारी की हत्या कर दी गई। कासगंज में युवक की पुलिस ने हत्या कर दी। सबसे ज्यादा हिरासत में मौतें यूपी में हो रही है। इसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को अपमानित किया है। किसानों पर तीन काले कृषि कानून भी थोप दिए है। इन कानूनों के लागू होने के बाद किसान अपने खेत में मजदूर बन जाएगा। उद्योगपति किसानों की जमीन पर कब्जा कर लेंगे। भाजपा ने किसानों की आय दुगनी करने का वादा किया था लेकिन महंगाई बढ़ा दी। किसानों की आय घट गई है। किसानों को बाजार के हवाले नहीं छोड़ा जा सकता है। भाजपा सरकार ने किसानों-नौजवानों के सामने संकट पैदा कर दिया है।

मनीष हत्याकांड
गोरखपुर पहुंची सीबीआई टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता की हत्या के मामले की जांच करने सीबीआई की छह सदस्यीय टीम गोरखपुर पहुंची। पुलिस लाइन से टीम रामगढ़ताल थाने पहुंची जहां दो घंटे से अधिक देर तक मौजूद रही। एफआईआर की कॉपी व अन्य डिटेल लेने के बाद थाना परिसर में खड़ी सरकारी जीप का भी सीबीआई ने मुआयना किया। बताया जा रहा है कि आज होटल सहित अन्य स्थानों की सीबीआई की टीम जांच कर सकती है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक सर्किट हाउस में सीबीआई रुकी है। गोरखपुर पहुंचते ही टीम ने अपनी जांच शुरू कर दी है। सबसे पहले टीम रामगढ़ताल थाने पर पहुंची है। गौरतलब है कि कानपुर के प्रॉपर्टी डीलर मनीष गुप्ता की रामगढ़ताल इलाके के होटल में पिटाई से मौत हो गई थी। इस मामले में मनीष गुप्ता की पत्नी मीनाक्षी ने रामगढ़ताल थाने में तैनात रहे इंस्पेक्टर जेएन सिंह, दरोगा अक्षय मिश्र सहित छह पुलिसवालों पर पति की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। सभी पुलिसवाले वर्तमान में गोरखपुर जेल में बंद हैं।

फिदायीन हमले की साजिश रच रहा आतंकी रियाज ढेर

» गजवातुल हिंद का था सदस्य, शिराज भी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। श्रीनगर और कुलगाम में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुईं मुठभेड़ में मारे गए दोनों आतंकियों की पहचान हो गई है। कश्मीर जोन के आईजी विजय कुमार ने बताया कि श्रीनगर मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। पुलवामा हमले के एक आरोपी के रिश्तेदार आमिर रियाज को मार गिराया गया है। वह घाटी में फिदायीन हमले की साजिश रच रहा था। रियाज मुजाहिदीन गजवातुल हिंद का आतंकी था।

वहीं कुलगाम में मारे गए आतंकी की पहचान हिजबुल मुजाहिदीन के जिला कमांडर शिराज मौलवी के रूप में हुई है। शिराज 2016 से घाटी में सक्रिय था। वह युवाओं को बरगलाकर आतंकी सगंठन में भर्ती करता था। साथ ही कई नागरिकों की हत्या में शामिल था। शिराज का मारा जाना सुरक्षाबलों के लिए बड़ी कामयाबी है। कश्मीर में टारगेट किलिंग की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों की मोडस ऑपरेंडी को नाकाम बनाने के लिए घाटी में विशेषकर श्रीनगर में रणनीति में बदलाव किया है। 90 के दशक में जब आतंकवाद चरम पर था तब सर्च ऑपरेशन चलाए जाते थे। अब उसी तर्ज पर श्रीनगर में रैंडम सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं।

पूर्व विधायक सुखपाल सिंह खैरा मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार

» पूछताछ के बाद की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को पंजाब कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक सुखपाल सिंह खैरा को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया। खैरा को चंडीगढ़ स्थित ईडी के दफ्तर बुलाया गया था जहां मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनसे पूछताछ किये जाने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले ईडी ने खैरा के भुलठ स्थित आवास पर छापा भी मारा था।

सुखपाल सिंह खैरा इसी साल जून में आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इससे पहले भी वह कांग्रेस में थे। गौरतलब है कि ईडी ने इसी साल मार्च में सुखपाल सिंह खैरा के आवास समेत उनके कम से कम 10 अन्य जगहों पर छापेमारी की थी। खैरा के घर के अलावा ईडी ने पंजाब और दिल्ली में उनके कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इससे पहले 2015 में उनके खिलाफ मादक पदार्थों की तस्करी का मामला दर्ज किया गया था।

जीका वायरस का खतरा, कानपुर से आने वालों की होगी निगरानी

» आगरा के स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ताजनगरी में कानपुर से आने वाले लोगों से जीका वायरस का खतरा अधिक है। ऐसे में यहां से यात्रा करने वाले लोगों पर विशेष निगरानी की जा रही है। निजी चिकित्सकों को भी ऐसे मरीजों की जानकारी पर सूचना देने को कहा है। बाहर से यात्रा कर लौटने वाले लोगों को बुखार आने पर हेल्पलाइन नंबर पर सूचना देने के निर्देश हैं।

सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि कानपुर में जीका वायरस के कई मरीज मिल चुके हैं। इसके संदिग्ध मरीजों के नमूनों की जांच एसएन मेडिकल कॉलेज में कराई जाएगी। खासकर कानपुर से आए लोग जिनको बुखार-खांसी है तो वह हेल्प लाइन नंबर (0562-2600412, 2600508 और 9458569043) पर जानकारी दें।

सीएमओ ने बताया कि कानपुर से आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग करने के बाद संदिग्ध होने पर नमूने की जांच कराई जाएगी। आईएमए अध्यक्ष डॉ. राजीव उपाध्याय ने कहा कि निजी चिकित्सकों को भी कानपुर से यात्रा करके आए मरीजों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देने के बारे में कहा गया है। गौरतलब है कि कोरोना की दूसरी लहर के बाद अब ताजनगरी में स्थिति नियंत्रण में है। नवंबर माह में पिछले 10 दिन से कोरोना का नया केस नहीं मिला है। पिछले 24 घंटे में 5469 सैंपल में कोई नया मरीज नहीं मिला है।

कांग्रेस विधायक के बेटे ने खुद को गोली से उड़ाया

» सुसाइड नोट में लिखा, मैं दोस्त के पास ऊपर जा रहा हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के जबलपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कांग्रेस विधायक संजय यादव के 17 साल के बेटे विभव ने पिता की रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, इसमें विधायक के बेटे विभव ने लिखा है कि मेरा दोस्त ऊपर गया है, मैं भी उसके पास जा रहा हूं।

बताया जा रहा है कि विभव ने अपनी कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या की। सुसाइड नोट में उसने पापा-मम्मी को अच्छा बताया है और इस घटना के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। एसपी सिटी रोहित कासवानी ने बताया कि विभव 12वीं कक्षा का छात्र था। उसके द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट को पांच दोस्तों को भेजा गया था, उसमें लिखा था कि तुम सब बहुत अच्छे हो, लेकिन अब मैं जा रहा हूं। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विभव के दोस्तों से पूछताछ की जा रही है। संजय यादव 2018 के विधान सभा चुनाव में पहली बार विधायक बने हैं। जिस समय यह घटना हुई उस समय घर पर नौकर के अलावा कोई नहीं था। मां सीमा निजी काम से भोपाल गई हुई थीं जबकि पिता भी पार्टी के काम से बाहर थे। वहीं बड़ा बेटा सार्थक पेट्रोप पंप गया था।

तो सियासी पारी खेलने के लिए कंगना कर रहीं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान!

» जानबूझकर विवादित बयान दिया कंगना ने, 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पद्मश्री कंगना रनौत के बयान से बवाल हो गया है। कंगना के मुताबिक देश को असली आजादी 2014 में मिली जब नरेंद्र मोदी पीएम बने और 1947 में मिली आजादी भीख में मिली थी। उनके इस बयान की देशभर में आलोचना हो रही है। कंगना रनौत के इस बयान के मायने क्या हैं? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, शीतल पी सिंह, अभिनेत्री पूनम झावर, अभिनेत्री गरिमा मौर्या और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

शीतल पी सिंह ने कहा, देश में हर प्रकार का विमर्श अब प्रहसन में बदल गया है। इसमें अभिनेत्री की गलती कम, एंकर और जिन लोगों ने इस बात पर ताली बजाई उनकी गलती ज्यादा है। कंगना की ढंग से शिक्षा-दीक्षा नहीं हुई है। उनका व्यक्तित्व विकसित नहीं हुआ। हमने बौने लोगों को प्रवक्ता मान लिया है। यह हमारे लिए शर्मनाक है। यह स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान है। गरिमा मौर्या ने कहा, उनका बयान गलत है। कंगना को कम से अपनी सभ्यता-संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम पर गलत बयान नहीं देना चाहिए। अशोक वानखेड़े ने कहा, कंगना रनौत को बड़ा किया गया है। राजनीति में इस हद तक गिर जाना बेहद शर्मनाक है। कंगना ने शायद सियासी पारी खेलने के लिए ऐसा बयान दे रही हैं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को अपमानित करने का अधिकार कंगना को किसने दिया है।

पूनम झावर ने कहा, कंगना को पद्मश्री मिला है। उन्होंने झांसी की रानी फिल्म की वे देश की आजादी पर सवाल कैसे उठा सकती हैं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान कैसे कर सकती है। आजादी संघर्ष से मिली है। यह बयान बेहद शर्मनाक है। वे शायद राजनीतिक में करियर बनाने के लिए इस तरह की बयानबाजी कर रही हैं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

घर पर लड़का है पर लड़ नहीं सकता : स्मृति

लड़की हूं लड़ सकती हूं... प्रियंका गांधी के नारे पर केंद्रीय मंत्री का कांग्रेस पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के नारे लड़की हूं, लड़ सकती हूं पर पलटवार करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। स्मृति ईरानी ने कहा, घर पर लड़का है पर लड़ नहीं सकता। उन्होंने एक कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तंज कसा। ईरानी ने कहा, यूपी में चुनाव विकास के मुद्दे पर लड़ा जाएगा और हमें उम्मीद है कि यहां नीति और विकास आधारित मुद्दों और लोकतंत्र को मजबूती देने पर चर्चा होगी।

प्रियंका गांधी ने पिछले महीने यूपी विधानसभा चुनाव में 40 फीसदी महिलाओं को टिकट देने के ऐलान के साथ नारा दिया

था कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं। अब इस पर पलटवार करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा, इसका मतलब ये है कि घर पर लड़का है, पर लड़ नहीं सकता। महिला उम्मीदवारों को 40 प्रतिशत टिकट देने के प्रियंका गांधी के प्रस्ताव पर स्मृति ईरानी ने कहा इसका मतलब है कि वह कह रही हैं कि वह महिलाओं को 60 प्रतिशत टिकट नहीं देना चाहती हैं। स्मृति ईरानी ने कहा, मैं ये नहीं कह रही कि लोकतंत्र और राजनीति में लोगों को कोशिश नहीं करनी चाहिए। राजनीति में हार और जीत दो पहलू हैं। मैं भी 2014 में हार गई थी लेकिन सवाल ये है कि लोग आपके संघर्षों में कितना विश्वास करते हैं।

केंद्रीय मंत्री बोलीं, पुरुष नेताओं को महिलाओं के लिए काम करना चाहिए

स्मृति ईरानी ने कहा कि महिला नेताओं से केवल समाज की महिला सदस्यों की देखभाल करने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। जब हम महिला नेताओं की बात करते हैं तो हम ये क्यों कहते हैं कि महिला नेताओं को सिर्फ महिलाओं के लिए काम करना चाहिए. ऐसा हम पुरुषों के लिए क्यों नहीं कहते। स्मृति ईरानी ने कहा, जब हम किसी को संवैधानिक जिम्मेदारी देते हैं तो उसकी भी जिम्मेदारी बनती है कि वह पुरुषों, बच्चों और बड़ों के लिए उतना ही काम करे, जितना महिलाओं के लिए करता है। चुनाव के समय नेताओं के मंदिर जाने के सवाल पर स्मृति ईरानी ने कहा, 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह अमेठी आए थे, इस दौरान वे मस्जिद भी गए थे। तो हम सिर्फ मंदिर के बारे में बात क्यों कर रहे हैं? हिंदुत्व पर सभी का अधिकार है और सिर्फ एक पार्टी का नहीं।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य बोले

समय से काम शुरू न करने वाले ठेकेदारों को काली सूची में डालें

» सड़कों के गड्ढामुक्ति अभियान को 15 दिन और बढ़ाने का निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सड़कों के गड्ढामुक्ति अभियान को 15 दिन और बढ़ाने का निर्देश दिया है। अब यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह पूरी निष्ठा व लगन के साथ गड्ढामुक्ति अभियान और निर्माण कार्यों को तय समय के अंदर पूरा कराएं।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनुबंध होने के बाद एक महीने के अंदर काम शुरू न करने वाले ठेकेदारों को नोटिस देकर उन्हें डिबार करने की कार्यवाही की जाए और तीन महीने के अंदर कार्य प्रारंभ न करने वाले ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाए। केशव मौर्य अपने सरकारी आवास पर लोक निर्माण विभाग के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि 72 प्रतिशत से अधिक सड़कों को गड्ढामुक्ति कर दिया गया है। इनमें स्टेट हाईवे, मुख्य जिला मार्ग व अन्य जिला मार्ग की प्रगति 85 प्रतिशत है। अब तक 67 प्रतिशत ग्रामीण मार्गों की गड्ढामुक्ति का कार्य पूरा हो चुका है। कुल मिलाकर लोक निर्माण विभाग की ओर से 54,373 किलोमीटर सड़कों को

गड्ढामुक्ति किया जा चुका है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि असमय बारिश हो जाने के कारण गड्ढामुक्ति के कार्यों पर कुछ प्रभाव पड़ा है, लेकिन अब कार्य बहुत ही तेजी से कराए जा रहे हैं। उन्होंने कार्य शुरू न करने की लापरवाही में यदि किसी अधिकारी की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध भी कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि 2024 में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के दृष्टिगत लोक निर्माण विभाग अभी से अपनी कार्य योजना बनाना प्रारंभ करें।

हादसे रोकने के लिए साइन बोर्ड लगाएं

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो काम शुरू नहीं हुए हैं, नौ निगरानी टीमों का गठन कर उनकी वास्तविकता की जांच करायी जाए। सर्दी के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए साइन बोर्ड लगाये जाएं व रोड लाइनिंग की जाएं। लोक निर्माण विभाग की सड़कों पर 15 दिन के अंदर इस आशय के बोर्ड लगाए जाएं। अंतरराज्यीय सीमाओं पर गेट का निर्माण दिसंबर तक बनवा दिए जाएं। केशव ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले खंड व जोन के अभियंताओं को पुरस्कृत किया जाए और जिनका काम खराब है उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

पुलिस को जनता की रक्षक बनाने में विफल रही सरकार : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर ट्विटर के जरिए प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कासगंज में पुलिस कस्टडी में एक और युवक की मौत अति दुखद व शर्मनाक है। सरकार घटना की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों को सख्त से सख्त सजा दे। साथ ही कहा कि पीड़ित परिवार की मदद भी करे।

यूपी सरकार आए दिन कस्टडी में मौत रोकने व पुलिस को जनता की रक्षक बनाने में विफल साबित हो रही है। यह बहुत ही चिंता की बात है। जिस युवक अल्ताफ की मौत पुलिस कस्टडी में हुई है उस पर एक किशोरी को अगवा करने का आरोप है। किशोरी को अगवा कर ले जाने के मामले में अल्ताफ के खिलाफ कासगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। इसी मुकदमे में पूछताछ के लिए पुलिस अल्ताफ को थाने लाई थी। जहां उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अब पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती है किशोरी की बरामदगी की। सवाल उठ रहा है कि आखिर किशोरी को किसने अगवा किया है।

योगी सरकार के मंत्री धर्म सिंह सैनी बोले, सत्ता में आने के लिए किसान आंदोलन का खत्म होना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में अभी से उठापटक शुरू होने लगी है। जहां किसान अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। वहीं यूपी सरकार के मंत्री का कहना है कि यूपी में दोबारा सरकार बनाने के लिए किसान आंदोलन खत्म करना जरूरी है।

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र राज्य मंत्री धर्म सिंह सैनी ने कहा कि जिस सूझबूझ से लखीमपुर हिंसा का मामला सीएम योगी की सूझबूझ और राकेश टिकैत के सहयोग से खत्म हुआ, वैसे ही अब किसान आंदोलन को भी खत्म करना होगा। उत्तर प्रदेश सरकार को इस मामले में पहल करनी चाहिए। मंत्री सैनी ने कहा कि जहां केंद्र का रास्ता उत्तर प्रदेश से जाता है, ठीक उसी तरह लखनऊ में सरकार बनाने का रास्ता पश्चिम उत्तर प्रदेश से जाता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश किसानों का क्षेत्र है, वहां अभी किसान आंदोलन कर रहे हैं लेकिन मुझे लगता है कि इस आंदोलन को अब समाप्त करने की जरूरत है। सरकार और केंद्र को भी एक कदम आगे बढ़ा कर इस आंदोलन को निपटाना चाहिए। उन्होंने कहा सरकार को आगे बढ़कर राकेश टिकैत से बात करनी चाहिए. जो भी लोग हैं, उनके साथ बैठकर निस्तारण होना जरूरी है।

सरकार और केंद्र के लोगों को आगे बढ़ कर आंदोलन को निपटाना चाहिए

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।